आकाशवाणी चंडीगढ़

03 जनवरी 2026, समय 18:10

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली में भगवान् बुद्ध से संबंधित पिपरहवा अवशेषों की भव्य प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।

- श्री मोदी ने कहा - भगवान् बुद्ध के पवित्र अवशेष मात्र कलाकृतियां नहीं, बल्कि देश की विरासत का अभिन्न अंग हैं।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने महान् समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की जयन्ती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

- मुख्यमंत्री नायब सिंह ने पंचकूला से हरियाणा के एक युवा प्रतिनिधिमण्डल को 29 वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेने के लिए रवाना किया।

- मुख्यमंत्री ने कहा किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी युवा शक्ति से तय होता है।

- जींद में हाइड्रोजन गैल संयंत्र का निर्माण जल्द पूरा होगा। जींद और सोनीपत के बीच हाइड्रोजन रेल चलाई जायेगी।

****

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नई दिल्ली के राय पिथौरा सांस्कृतिक परिसर में भगवान बुद्ध से संबंधित पिपरहवा अवशेषों की भव्य अंतरर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी का शुभारंभ किया। उन्होंने भगवान बुद्ध से संबंधित प्रदर्शनी के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन किया और इस प्रदर्शनी की सूची का भी अनावरण किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री मोदी ने कहा है कि भगवान बुद्ध द्वारा दिखाया गया मार्ग और ज्ञान समस्त मानवता के लिए है और उनके पवित्र अवशेष मात्र कलाकृतियां नहीं बल्कि देश की विरासत का अभिन्न अंग हैं। उन्होंने कहा कि एक सदी से अधिक के लम्बे इंतजार के बाद ये अवशेष भारत लौटे हैं। श्री मोदी ने कहा है कि अब भारतीय भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों के दर्शन कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी भगवान बुद्ध के महान विचारों को लोकप्रिय बनाने के अनुरुप हैं। साथ ही यह युवाओं और संस्कृति के बीच संबंधों को मजबूत बनाएगी।

भगवान बुद्ध की हमारी यह साझा विरासत इस बात का भी प्रमाण है कि भारत सिर्फ

पॉलिटिक्स डिप्लोमेसी और इकोनॉमी से ही नहीं जुड़ता, बल्कि हमारा जुड़ाव कहीं गहरा है। हम मन और संवेदनाओं से जुड़े हैं, हम आस्था और आध्यात्मिक से भी कनेक्ट है। साथियों भारत केवल भगवान बुद्ध के पावन अवशेषों का संरक्षक नहीं है, बल्कि उनकी परंपरा का जीवंत वाहक भी है।

केन्द्रीय संस्कृति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि भगवान बुद्ध का दर्शन भारत की अनूठी आत्मा का दर्शन है। श्री शेखावत ने कहा कि उनका मंत्रालय प्रधानमंत्री के देश की विरासत के संरक्षण के साथ विकास के दृष्टिकोण के अनुरूप कार्य कर रहा है।

2047 के विकसित भारत की संकल्पना जो माननीय प्रधानमंत्री जी ने की है। आज माननीय प्रधानमंत्री जी के सतत मार्गदर्शन में भारत का संस्कृति मंत्रालय उन्हें केवल पुरातात्विक संपदाओं का संरक्षण कर रहा है सांस्कृतिक परंपराओं का उन्नयन करने के लिए काम कर रहा है। मनस्क्रिप्ट्स का डिजिटाइजेशन कर रहा है। सांस्कृतिक परंपराओं को सुदृण करने की दिशा में काम कर रहा है और साथ-साथ में विश्व के पटल पर भारत की इस अनुंठी संस्कृति को प्रदर्शित करने का प्रयास भी कर रहा है।

****

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज महान समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सोशल मीडिया पोस्ट में श्री मोदी ने कहा कि उनका जीवन सेवा और शिक्षा के माध्यम से समाज के परिवर्तन के लिए समर्पित था। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले समानता, न्याय और करुणा के सिद्धांतों के प्रति समर्पित थीं। श्री मोदी ने यह भी कहा कि सावित्रीबाई फुले का मानना था कि शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का सबसे सशक्त साधन है। श्री अमित शाह ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सावित्रीबाई फुले ने महिलाओं को शिक्षा के मौलिक अधिकार से जोड़कर महिला सशक्तिकरण को एक नई दिशा दी। उन्होंने सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, देश का पहला बालिका विद्यालय स्थापित कर सामाजिक सुधार की लौ प्रज्ज्वलित की।

****

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज पंचकूला में हरियाणा के एक युवा प्रतिनिधि मंडल को दिल्ली में आयोजित होने वाले 29 वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेने के लिए रवाना किया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने युवाओं के साथ नवाचार नेतृत्व, कौशल विकास और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका पर संवाद किया । इस अवसर पर अपने संबोधन ने मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन हरियाणा के युवाओं के संकल्पों की उड़ान का दिन है क्योंकि यह युवा राष्ट्रीय युवा महोत्सव के मंच पर अपनी कला का प्रदर्शन ही नहीं करेंगे बल्कि हरियाणा की आन बान और शान को प्रस्तुत करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी राष्ट्र का भविष्य उसकी युवा शक्ति से तय होता है । जब युवा ऊर्जावान, शिक्षित , आत्मविश्वासी और राष्ट्र के प्रति समर्पित होते हैं तब कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। स्वामी विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने युवाओं से उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया ।

हरियाणा के युवा सदैव परिश्रमी, अनुशासित और राष्ट्रभक्त रहे हैं। यही कारण है कि हरियाणा का युवा आज सेना ,खेल, शिक्षा , कृषि एवं उद्यमिता सहित हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इसी प्रकार हमारी लोक संस्कृति, हमारे नृत्य, संगीत, कला और परंपराएं, सादगी, शक्ति और आत्मीयता का प्रतीक है। राष्ट्रीय युवा महोत्सव में जब युवा इसका प्रदर्शन करेंगे तो पूरे देश को हरियाणा की आत्मा का दर्शन होगा। इससे पहले युवा अधिकारिता एवं उद्यमिता राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि हरियाणा राज्य से अलग-अलग विधाओं के कुल 64 प्रतिभागी जो कि हरियाणा के अलग-अलग जिलों से हैं , राष्ट्रीय स्तर पर अपने-अपने क्षेत्र में जौहर दिखाएंगे व अपने हुनर का प्रदर्शन करेंगे।

****

प्रादेशिक सामाचार आकाशवाणी चंडीगढ़ से प्रसारित किए जा रहे हैं। हमारे बुलेटिनों और ताज़ा समाचारों के लिए आप हमारी वेबसाइट newsonair.gov.in पर लॉग- इन कर सकते हैं। यह समाचार हमारे यू- ट्यूब चैनल और एक्स हैंडल Akashvani News Chandigarh पर भी उपलब्ध हैं।

****

हरियाणा विधानसभा उपाध्यक्ष कृष्ण मिड□ा ने कहा कि जींद रेलवे जंक्शन पर लगभग 120 करोड़ रुपये की लागत से दो हजार मीटर क्षेत्र में हाइड्रोजन गैस संयंत्र का निर्माण जल्द पूरा हो जाएगा। श्री मिड□ा आज जींद में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, फिलहाल हाइड्रोजन संयंत्र में टेस्टिंग का कार्य चल रहा है। संभवता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसी माह यह संयंत्र देश को समर्पित करेंगें।

उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन संयंत्र में जमीन के नीचे भंडारण का प्रबंध किया गया है। इसमें लगभग तीन हजार किलोग्राम गैस का भंडारण होगा। श्री मिड□ा ने कहा कि हाइड्रोजन गैस से चलने वाले इंजन धुएं की बजाय भाप और पानी छोड़ेंगे। इन में से धुआं नहीं निकलेगा। इनकी रफ्तार और यात्रियों को ले जाने की क्षमता भी डीजल रेलगाड़ी के बराबर होगी। इस रेलगाड़ी में एक किलो हाइड्रोजन करीब साढ़े चार लीटर डीजल के बराबर माइलेज देगी। वहीं इन रेलगाड़ियों का रखरखाव भी सस्ता होगा। श्री मिड□ा ने कहा कि हाइड्रोजन से चलने वाली रेलगाड़ी आठ से दस डिब्बों की होगी। इलेक्ट्रिक रेल की तुलना में हाइड्रोजन इंजन युक्त रेल 10 गुणा अधिक दूरी तय कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि इस ईंधन से इंजन में आवाज नहीं होगी और यात्री इनमें ध्वनि प्रदूषण मुक्त आरामदायक सफर

कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन रेल को जींद से सोनीपत के लिए चलाया जाएगा इसके पश्चात इसका विस्तार किया जाएगा। जींद से सोनीपत की दूरी लगभग 90 किलोमीटर है। यह रेल 110 से 140 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेगी।

****